Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-CT-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, तृतीयसत्रम्

व्याकरणम्, प्रथमपत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् - 9

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "परश्च" इत्ययं भाष्यरीत्या प्रतिपादनीयः।
2. वाऽसरूपोऽस्त्रियाम् इत्येतत् सूत्रं भाष्यानुसारेण सुविधीयताम्।
3. "परोक्षे लिट्" इत्यस्य भाष्यं स्पष्टीक्रियताम्।
4. कर्मवत्कर्मणा तुल्यक्रियः अस्य न्यासस्य व्याख्या कार्या।
5. "भूते" अस्य योगस्य भाष्यं स्वकीयेन संस्कृतेन लेखनीयम्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. "गुप्तिज्किद्भ्यः सन्" अस्य व्याख्यानं कार्यम्।
7. वाच्य ऊर्णोणुवद्भवो .... इयं कारिका वर्ण्यनीया।
8. आयादय आर्धधातुके वा, अस्य भाष्यं प्रतिपादनीयम्।
9. सनाद्यन्ता धातवः, अयं न्यासो व्याख्यानीयः।
10. हेतुनिर्देशो निमित्तमात्रे, भिक्षादिषु दर्शनात्।
11. सुप आत्मनः क्यच्, इत्यत्र सुप् ग्रहणं किमर्थम्?
12. के हि सम्प्रसारणप्रसङ्गः, इदं वार्तिकं स्पष्टीक्रियताम्।

---------------x---------------

Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-CT-302

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, तृतीयसत्रम्

व्याकरणम्, द्वितीयपत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् - 10

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. "तस्यापत्यम्" अस्य सूत्रस्य भाष्यं प्रतिपादनीयम्।
2. जातेरस्त्रीविषयादयोपधात्, अस्य भाष्यं सुस्पष्टीक्रियताम्।
3. "यूनि लुक्" अस्य न्यासस्य भाष्यानुसारेण व्याख्या कार्या।
4. अनुपसर्जनात्, अस्य योगस्य भाष्यं वर्ण्यनीयम्।
5. "द्विगोर्लुगनपत्ये., इदं सूत्रं भाष्यमनुसृत्य व्याख्यानं कार्यम्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. 'प्राग्दीव्यतोऽण्" अस्य न्यासस्य व्याख्या विधीयताम्।
7. समर्थानां प्रथमाद्वा, इदं सूत्रं प्रतिपादनीयम्।
8. वोतो गुणवचनात्, इत्यस्मिन् योगे किं गुणो नाम?
9. स्त्रियामिति कथ्यते, का स्त्री नाम?
10. क्षुद्राभ्यो वा, का क्षुद्रा नाम?
11. प्रातिपदिकग्रहणे लिङ्गविशिष्टस्यापि. अस्याः परिभाषायाः कानि प्रयोजनानि?
12. शेषे, शेष इत्युच्यते, किं शेषो नाम?

---------------x---------------

Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-CT-303

पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali
Examination December–2023
एम. ए. व्याकरण, तृतीयसत्रम्
व्याकरणम्, द्वितीयपत्रम्
संस्कृतव्याकरणम् - 11

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. अध्यर्धपूर्वद्विगोर्लुगसञ्ज्ञायाम् इति सूत्रस्य व्याख्या करणीया।
2. आत्मन्विश्वजनभोगोत्तरपदात्खः। इति सूत्रस्य महाभाष्यरीत्या व्याख्या विधेया।
3. तेन तुल्यं क्रिया चेद्वति इति सूत्रस्य व्याख्या करणीया।
4. 'विभाषा तिलमाषोमाभङ्गाणुभ्यः' अस्य सूत्रस्य महाभाष्यशैल्या व्याख्या विधेया।
5. तदस्यास्त्यस्मिन्निति मतुप् इति सूत्रं महाभाष्यरीत्या व्याख्येयम्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. 'सिद्धं तु शाखादिषु वचनात् ह्रस्वत्वं च' इति वार्तिकस्य व्याख्या कार्या।
7. प्राग्दिशोविभक्तिः इत्यत्र विभक्तित्वे किं प्रयोजनम्।
8. च्विविधौ सूत्रांशपूरकवार्तिकम् उल्लिख्य व्याख्येयम्।
9. त्रल्तसिलोः प्रत्ययत्वोपपादकवार्तिकम् आदेशपक्षे दूषितं कृत्वा व्याख्येयम्।
10. सख्याया अतिशदन्तायाः कन् इति सूत्रं प्रतिपादनीयम्।
11. वतुप्प्रत्ययाधिकरणे किमर्थं परिमाणग्रहणं क्रियते?
12. धाविधानं धात्वर्थपृथग्भावे इति वार्तिकस्य व्याख्या करणीया।

---------------x---------------

Roll No..........................
Signature of Invigilator ....

Paper Code

MSV-CT-304

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December -2023

एम. ए. व्याकरण, तृतीयसत्रम्

व्याकरणम्, चतुर्थपत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् (12)

समयः - होरात्रयम् | पूर्णाङ्कः 70

निर्देशः अस्य प्रश्नपत्रस्य सप्तत्यङ्काः निर्धारिताः सन्ति, अङ्कनिर्देशः प्रतिखण्डं द्रष्टव्यः, सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

प्र01. पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां धातूनां कर्तरि लिटि, लोटि, लुङि च रूपाणि लेखनीयानि।(2 x5 =10)

(1) दध धारणे (2) शुन्ध शुद्धौ (3) अदि बन्धने
(4) गुपू रक्षणे (5) हय गतौ (6) ईक्ष दर्शने
(7) धेट् पाने

प्र02. पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां धातूनां कर्मकर्तरि, सनि कर्तरि च लटि, लुटि, लुङि च प्रथमपुरुषैकवचने रूपाणि लेखनीयानि। (2 x5 =10)

(1) मुद हर्षे (2) मघि मण्डने (3) जि जये
(4) गाहू विलोडने (5) बुध अवगमने (6) डुलभष् प्राप्तौ
(7) णीञ् प्रापणे

प्र03. पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां धातुनां यङि, यङ्लुकि च कर्तरि लटि, लोटि, लुङि च मध्यमपुरुषैकवचने रूपाणि लेखनीयानि। (2 x5 =10)

(1) वृक आदाने (2) मन्थ विलोडने (3) ऋ गतिप्रापणयोः
(4) षण सम्भक्तौ (5) चह परिकल्कने (6) पा पाने
(7) गृ सेचने

प्र04. पृष्टेषुसप्तसु पञ्चानां धातुनां णिचि, कर्तरि कर्मणि च लटि, लुटि, लुङि च प्रथमपुरुषैकवचने रूपाणि लेखनीयानि। (2 x5 =10)

(1) एध वृद्धौ (2) शीकृ सेचने (3) क्षमूष् सहने
(4) क्नूयी शब्दे (5) वद व्ययक्तायां वाचि (6) गुहू संवरणे
(7) मेङ् प्रणिदाने

प्र05. पृष्टेषु सप्तसु पञ्च प्रयोगाः सुसाध्याः। (4 x5 =20)

(1) अभ्यबोभयिष्ट	(2) वीयते	(3) संसातः
(4) माम	(5) अद्युतत्	(6) दित्सति
(7) गोप्ता		

प्र06. पृष्टेषु अष्टसु पञ्चानां शब्दानां द्वयोः वाक्ययोः प्रयोगः करणीयः। (2x5 =10)

(1) वेता	(2) श्रयति	(3) दयते
(4) जिगमिषति	(5) अदर्शत्	(6) मोदते
(7) घ्रेयात्	(8) वहति	

---------------x---------------

Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-GE-305

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, तृतीयसत्रम्

संस्कृत, पंचमपत्रम्

संस्कृतसाहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. 'रामचरितामृतम्' - इत्यस्यानुसारेण दशरथेन रामस्य गुणकीर्तनं विषये विस्तरेण बोधयतु।

2. किरातार्जुनीयस्य द्वितीयस्य सर्गस्य सारः श्लोकपूर्वकः लेखनीयः।

3. 'ब्रह्मानन्दवल्ली-अष्टमोऽनुवाकः' - इत्यस्य सारः लेखनीयः।

4. राजप्रजाधर्मविषये केचन चत्वारो मंत्रा लेखनीयाः। तथा च तेषां प्रसङ्गपूर्वकं व्याख्या करणीया।

5. प्रसङ्गानुसारेण व्याख्या करणीया-

(क) क्षत्रस्य योनिरसि क्षत्रस्य नाभिरसि। मा त्वा हिंसीन्मा मा हिंसीः।

(ख) कोऽसि कतमोऽसि कस्मै त्वा काय त्वा।

सुश्लोक सुमंगल सत्यराजन्।।

(ग) शिरो मे श्रीर्यशो मुखं त्विषिः केशाश्च श्मश्रूणि।

राजा मे प्राणो अमृतं सम्राट् चक्षुर्विराट् श्रोत्रम्।।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. रामस्याभिरामत्वं विषये वर्णयतु।

7. रामस्य पितरि प्रतिज्ञाविषये सश्लोकं वर्णयन्तु।

8. व्याख्या करणीया -

"परिणामसुखे गरीयसि व्यथकेऽस्मिन् वचसि क्षतौजसाम्।

अतिवीर्यवतीव भेषजे बहुरल्पीयसि दृश्यते गुणः।।"

9. स यश्चायं पुरुषे यश्चासावादित्ये स एकः।

स य एवंविदस्माल्लोकात्प्रेत्य।

एतमन्नमयम् .... एतमानन्दमयमात्मानमुपसंक्रामति।

- इत्यस्य प्रसंगपूर्वकेन व्याख्या करणीया।

10. मंत्रस्य व्याख्या कुर्वन्तु-

"बाहू मे बलमिन्द्रियं हस्तौ मे कर्म वीर्य्यम्। आत्मा क्षत्रमुरो मम।"

11. श्रीः (लक्ष्मी, धनं वा) इत्यस्य विषये ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकानुसारेण वर्णनं कुर्वन्तु।

"श्रीर्वै राष्ट्रम्।। श्रीर्वै राष्ट्रस्य भारः।। श्रीर्वैराष्ट्रस्य मध्यम्।।"

12. कस्मिन् देशे प्रजाः सुखिन्यो भवन्तीति वदन्तु।

---------------x---------------

Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-SE2-306

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, तृतीयसत्रम्

संगीत

भारतीय संगीत - गायन

Time: 3 Hours | **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलगीत के प्रथम तीन अंतरे लिखकर दिखाएं।
2. ध्वनि किसे कहते है और इसकी उत्पत्ति के विषय में बताएं।
3. नाद की कितनी विशेषताएँ हैं? विस्तारपूर्वक बताएं।
4. चल और अचल स्वर क्या होता है? बताए।
5. विष्णु नारायण भातखण्डे जी कि स्वरलिपि पद्धति को लिखें।

खण्ड–ख

(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. "स्थाई एवं अंतरा से आप क्या समझते हैं?
7. स्थाई और अंतरे के साथ एक आर्य समाजी भजन लिखें।
8. सप्तक से आप क्या समझते हैं? इसके कितने प्रकार होते हैं?
9. पाठ्यक्रम के अनुसार तीन अलंकार को आरोह एवं अवरोह क्रम में लिखें।
10. लक्षणगीत एवं ठुमरी से आप क्या समझते हैं।
11. तानसेन की जीवनी संक्षिप्त में बताएं।
12. राग भैरव का गायन समय और उसके वादी, संवादी स्वर क्या हैं?

--------------x--------------